B- IV
L- 32
Economy

Debenture (डिबेंचर) ऋणपत्र और बॉन्ड

डिबेंचर और बॉन्ड दोनों ऋण जुटाने के उपकरण होते हैं

लेकिन दोनो में एक मुख्य अंतर यह होता है कि बॉन्ड Secured होते हैं जबकि डिबेंचर Unsecured होते हैं।

Convertible Bonds PT-2022

ऐसे बॉन्ड जो निवेशकों को इक्विटी में परिवर्तन का विकल्प देते हैं।

नोट :-

सामान्य बॉन्ड की तुलना में Convertible Bonds पर ब्याजदर कम होती है।

ये ध्यान देने योग्य है कि इक्विटी में परिवर्तन के विकल्प के कारण ये बॉन्ड निवेशकों को मुद्रास्फीति के विरुद्ध Hedging (हेजिंग) की सुविधा देती हैं।

एक लम्बे समय में इक्विटी का मूल्य इस तरह से बढ़ता है कि लोगों की निवेश की क्रयशक्ति में गिरावट नहीं आती है। अधिकांश मामलों में इक्विटी के रूप में संपत्ति का मूल्य अधिक तेज गति से बढ़ता है।

Scanned by CamScanner

मसाला बॉन्ड (Masala Bonds) PT-2016

विदेशो में निकाले जाने वाले RDBs [Rupees-Denominated Bonds) को मसाला बॉन्ड कहते हैं।

नोट :-

मसाला बॉन्ड शब्द का प्रयोग पहली बार IFC [International Finance Corporation] के द्वारा किया गया था जो विश्व बैंक की एक सहायक संस्था है।

इन Bonds के कारण भारतीय कंपनियों डॉलर आदि में होने वाले उतार-चढ़ाव से मुक्त हो जाते हैं अर्थात Currency risk समाप्त हो जाता है।

Green Bonds :-

Environmental projects के वित्तीयन के लिए निकाले जाने वाले बॉन्ड्स को Green Bonds कहते हैं।

एक प्रकार से ये Thematic Bonds होते हैं।

Green Masala Bonds :-

Environmental projects के वित्तीयन के लिए निकाले जाने वाले मसाला बॉन्ड।

Scanned by CamScanner

SGrnBs - Sovereign Green Bonds :-

सरकार द्वारा निकाले जाने वाले ग्रीन बॉन्ड।
भारत सरकार द्वारा यूनियन बजट 2022-23 में इन्हें पहली बार प्रस्तावित किया गया था।

Greenium / Socialium :-

Green Bonds को अन्य समान्य Bonds की तुलना में कुछ बिन्दु कम ब्याजदर पर निकाला जाता है इस अंतर को Greenium/Socialium कहा जाता है।

Yellow Bonds :-

Solar energy की परियोजनाओं के वित्तीयन के लिए निकाले जाने वाले बॉन्ड।

Blue Bonds :-

Water conservation, oceanic resources आदि से जुड़ी परियोजनाओं के वित्तीयन के लिए निकाले जाने वाले बॉन्ड।

Social Bonds :-

सामाजिक परियोजनाओं जैसे Affordable, housing, health care आदि के वित्तीयन के लिए जारी किए जाने वाले Bonds।

Scanned by CamScanner

Sustainability Bonds :-

Environment + social project के combination के वित्तीयन के लिए जारी किए जाने वाले बॉन्ड।

Gsst Bonds :- use of proceeds Bonds
Green social, sustainability and other labelled Bonds

Maharaja Bonds :-

IFC द्वारा भारत मे निकाले गए RDBs***।

Panda Bonds :-

विदेशी निवेशकों द्वारा चीन में निकाले जाने वाले RMB - Renminbi (yuan) denominated Bonds।

जीरो कूपन बोन्ड (ZCB) :-

शून्य ब्याज दर वाले Bonds इन्हें deep-discount बॉन्ड भी कहते हैं।

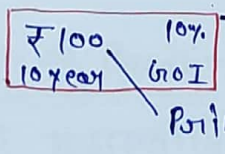

*** RDBs (Rupee denominated bonds)

Scanned by CamScanner

ZCZP Bonds :- Zero Coupon, Zero Principal

Social Enterprises के वित्तीयन के लिए इन Bonds को निकाला जाता है

इनमें निवेशकों को कोई ब्याज नहीं दिया जाता है और न ही मूलधन वापस लौटाया जाता है।

Electoral Bonds :- इलेक्टोरल बॉन्ड :-

Political Funding के लिए 2018 में भारत सरकार द्वारा इन्हें नोटीफाई किया गया था।

यह एक प्रकार का वाहक बांड था। इस बांड पर दानकर्ता के नाम का उल्लेख नहीं किया जा सकता था जिसके आधार पर यह माना गया कि इसमें होने वाले Funding पारदर्शी नही है जबकि सरकार को यह पता लगने की संभावना रहती थी कि दानकर्ता कौन है।

इन्ही आधारों पर माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने इन पर रोक लगा दी।

Inflation indexed Bonds :- PT-2022

ऐसे बांड जो मुद्रास्फीति की दर के ऊपर एक निश्चित रियल रेट ऑफ इंट्रेस्ट (जैसे 3% आदि) देने का वादा करते हैं।

Scanned by CamScanner

ये बॉन्ड मुद्रास्फीति के विरुद्ध हेजिंग की सुविधा देते हैं।

यदि मुद्रास्फीति की दर बढ़ती है तो इनके द्वारा दी जाने वाली ब्याजदर भी बढ़ जाती है और यदि मुद्रास्फीति की दर कम हो जाती है तो इनकी भी ब्याजदर कम हो जाती है हालांकि Real Rate of Interest स्थिर बनी रहती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner